

हम अपने सँवारे की मस्ती में रहते हैं

ये जग दुनिया वाले हमे पागल कहते हैं,
हम अपने सँवारे की मस्ती में रहते हैं,

दीवानो की दुनिया का आलहम ही निराला है,
खुशियों में तो रोते हैं मुश्किल में हस्ते हैं,
हम अपने सँवारे की मस्ती में रहते हैं,

कोई धन का पागल है कोई तन का पागल है,
हम पागल साँवर के बड़ी शान से कहते हैं,
हम अपने सँवारे की मस्ती में रहते हैं,

मिल जाए कोई प्रेमी न हेलो न हाये
हम हर इक प्रेम को राधे राधे कहते हैं,
हम अपने सँवारे की मस्ती में रहते हैं,

गली गली जाके कनु भजन सुनाता है,
सब नच नच साँवर के जय कारे कहते हैं,
हम अपने सँवारे की मस्ती में रहते हैं,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12185/title/hum-apne-sanware-ki-masti-me-rehte-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |